

रवरेक्ट मेरी शिखर यात्रा

भाषा अध्ययन

1) इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या पाठ को संदर्भ देकर कीजिए :-

निहारा है, धक्कना, खिसकना, सागरमाथा जायिजा लोना, लोखिरिया

निहारा है : बहुत ध्यान से विमल के साथ खेला

2) लोखिका के लोखे वाजावे पहुँचकर रवरेक्ट पर चढ़ाई करने के पूर्व उसे निहारा ।

धक्कना : निचे धंस या दब जाना ।

3) वरफ की भारी चट्टानों जब वरफिले धरातल पर गिरती है तो धरातल धक्क जाता है । इसका खतान पर्वतरोहियों को भयभीत करने वाला होता है ।

खिसकना : धीरे - धीरे सरकना ।

4) कुलशिल्लों के बहने से वरफ में हलचल मच जाती है और बड़ी - बड़ी चट्टानों खिसकने लगती है ।

आगरमाथा : आगर का माथा अर्थात रुवेरेस्ट

> लेखिका को रुवेरेस्ट का दूसरा नाम आगरमाथा, जो नेपालियों में प्रसिद्ध है, प्रसिद्ध आया।

जायजा लेना : अनुमान लगाता

> रुवेरेस्ट अभियान के समय अग्रिम दल ने फुल्ल बनाकर रस्सियों बांधकर सभी बड़ी कठिनाईयों का जायजा ले लिया था।

गौमिखिला : गंगा खींचने वाला।

> रुवेरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले प्रथम व्यक्ति का गौमिखिला जाने वाले नेहरू से लेखिका ने खुद को गौमिखिला कहा।

श्री १०१ कहते हैं, "गुम रक पककी पर्वतीय लड़की लगती है। मुझे तो शिखर पर पहुँच ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

अहोबल कहते हैं, "गुम रक पककी पर्वतीय लड़की लगती है। मुझे तो शिखर पर पहुँच ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।"

i) क्या तुम भावभीन थीं
"क्या तुम भावभीन थीं?"

ii) तुमने कितनी बड़ी जोखिम क्यों ली, बचेंद्री
"तुमने कितनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री?"

उ) तेही-मैदी : रक्वेस्ट की बरफ़ीली चोटियाँ बरफ़ की
तेही-मैदी नदी-सी लग रही थीं।

ii) गहरे-चौड़े : पहाड़ी रास्तों में पड़ते वाले
गहरे-चौड़े नाले देखकर मन भावभीन
हो रहा था।

iii) आस-पास : रेगिस्तान में आस-पास कोई भी
पैड़ नहीं दिखाई दे रहा था।

iv) हकका-बकका : अचानक बौला दूवावा खैरे जाले की
आतंकवादी हकके बकके रह गए थे।

v) इधर-उधर : जंगली रास्तों पर इधर-उधर
देखकर चलता।

vi) लंबे-चौड़े : कुंदाव के समय बैलागण बड़े लंबे-चौड़े
वाले कर्वे जलता को बहलाने
हैं।

4) नियमित : अनियमित

ii) विख्यात : कुख्यात

iii) आरोही : अवरोही

iv) निश्चित : अनिश्चित

v) सुंदर : असुंदर

5) वास : आ + वास = आवस्य

vi) व्यवस्थित : अ + व्यवस्थित = अव्यवस्थित

vii) कूल : प्रति + कूल = प्रतिकूल

viii) गति : दुर् + गति = दुर्गति

ix) शोषण : अव + शोषण = अवशोषण

x) रक्षित : कुर + रक्षित = कुरक्षित

6) ii) मैं अबाने फिर यह कार्य कर लूंगा ।

ii) बाकल चिरने के कुछ देर बाद ही वर्षा हो गई ।

iii) अबाने बहुत कम समय में इतनी तरेकती कर ली ।

iv) गाडकिया को झुलहा तक गाँव जाना था